दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, सोमवार 03 जुलाई 2023

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

मणिपुर का संकट गहरा रहा है

अजीत द्विवेदी

मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू हुए 56 दिन हो गए हैं। इतने दिन के बाद राज्य की सरकार और सुरक्षा बलों की ओर से दावा किया जा सकता है कि मोटे तौर पर शांति बहाल हो गई है और हिंसा की घटनाएं कम हो गईं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसी हिंसा, जिसमें किसी की जान जा रही हो, उसमें कमी आई है। लेकिन सरकारी इमारतों व लोगों के घरों पर हमले, तोड़-फोड़, आगजनी आदि की घटनाएं कम नहीं हुईं, बल्कि इनमें बढ़ोतरी हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार ने मणिपुर के हालात संभालने में जितनी देरी की उससे हिंसा ने एक नया रूप ले लिया है। इसकी जड़ें गहरी हो गईं और दशकों पुराने घाव हरे हो गए हैं। कुकी और मैती समुदाय के बीच दशकों के प्रयास से जो भरोसा बना था वह समाप्त हो गया है। पिछले 56 दिन में जो घटनाएं हुई हैं उनसे दोनों के बीच ऐसी दूरी बनी है, जिसे फिर से भर पाना निकट भविष्य में मुश्किल दिख रहा है।

मणिपुर संकट में कुछ नए आयाम भी जुड़ गए हैं, जिनकी ओर सुरक्षा बलों ने ध्यान दिलाया है। शांति बनाए रखने और उग्रवादियों पर काबू पाने के लिए तैनात सेना व अर्धसैनिक बलों को उग्रवादियों के साथ साथ जन प्रतिरोध का सामना भी करना पड़ रहा है। इसका वीडियो सुरक्षा बलों ने जारी किया है। ये वीडियो हाल की दो घटनाओं के हैं। एक घटना पूर्वी इंफाल की है, जहां इथम गांव में खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करके प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप यानी केवाईकेएल के 12 कैडर्स को पकड़ा था। इनके पकड़े जाने की सूचना के बाद करीब डेढ़ हजार लोग इकट्ठा हो गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। उन्होंने पकड़े गए उग्रवादियों के आसपास घेरा बना लिया और मजबूरी में सुरक्षा बलों को उन्हें छोड़ना पड़ा। दूसरी घटना भी इथम गांव की ही है, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने घेरा बनाया हुआ था और भारी मशीन से सडक़ की खुदाई हो रही थी ताकि असम राइफल्स और दूसरे सुरक्षा बलों को उस इलाके में घुसने से रोका जा सके।

सोचें, जो हिंसा मु_ीभर उग्रवादी तत्वों के द्वारा शुरू की गई थी वह स्पष्ट रूप से दोनों समुदायों के बीच की व्यापक जातीय हिंसा में तब्दील हो गई है, जिसमें आम लोग अपनी अपनी जाति के उग्रवादियों का समर्थन कर रहे हैं और उनकी रक्षा कर रहे हैं। मणिपुर के लिए यह नया घटनाक्रम है। ध्यान रहे पिछले कुछ बरसों से उग्रवादियों को आम लोगों का समर्थन मिलना बंद हो गया था। उनका आधार सिमट कर बहुत छोटा हो गया था और ज्यादातर उग्रवादी संगठनों को मणिपुर के अंदर अपना बेस बनाने की जगह नहीं मिली थी। उनको मजबूरी में म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा में अपना बेस बनाना पड़ा था। कई बार भारतीय सुरक्षा बलों ने म्यांमार की सीमा में घुस कर भी उग्रवादियों के शिविर नष्ट किए। सुरक्षा बलों के दबाव और आम लोगों की उदासीनता की वजह से ज्यादातर उग्रवादी संगठनों के काडर सरेंडर करने लगे थे और मुख्यधारा में लौटने लगे थे। लेकिन तीन मई को शुरू हुई हिंसा ने उनको जीवनदान दे दिया है। उनके पास बड़ी संख्या में नए हथियार पहुंच गए हैं और आम लोगों का समर्थन भी मिलने लगा है। सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के लिए इससे नई चुनौती पैदा हुई है, जिससे निपटने का रास्ता अभी नहीं दिख रहा है।

भारत की सीमा के अंदर किसी भी किस्म की अस्थिरता या जातीय तनाव का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठे चीन को इससे अलग मौका मिल गया है। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि चीन उग्रवादी तत्वों को मदद दे रहा है। चीन में बनी मोटरबाइक के इस्तेमाल के पुख्ता सबूत सुरक्षा बलों को मिला है। बताया जा रहा है कि चीन में बनी मोटरबाइक्स की कीमत 25 हजार रुपए के आसपास है, जो आसानी से उग्रवादियों को उपलब्ध हो जा रही है। वे इनके जरिए गांवों में पहुंच जा रहे हैं और हिंसा, आगजनी को अंजाम दे रहे हैं। इन पर उनको रजिस्ट्रेशन नंबर लेने की जरूरत नहीं है और पकड़े जाने पर उनका कोई नुकसान नहीं हो रहा है। यह उग्रवादियों को मिल रही बाहरी मदद का एक संकेत है। इस तरह की और कितनी मदद किस रूप में मिल रही है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। ध्यान रहे दो साल पहले म्यांमार में हुए तख्तापलट के बाद वहां जो हालात बने और जिस अनुपात में विस्थापन हुआ उसका भी असर भी मणिपुर की राजनीति, सामाजिक स्थिति पर पड़ी है।

बहरहाल, यह स्थिति इस वजह से आई है क्योंकि सरकार ने हालात सुधारने के प्रयासों में देरी कर दी या प्रयास किए तो वो आधे अधूरे थे। मिसाल के तौर पर गृह मंत्रालय की ओर से एक शांति समिति बनाई गई थी। वह प्रयास इतना आधा अधूरा और बेमन से किया गया था आज करीब एक महीने बाद किसी को अंदाजा नहीं है कि वह शांति समिति कहां है। हिंसा शुरू होने के 27 दिन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर के दौरे पर पहुंचे थे। उसके बाद यह शांति समिति बनी थी। लेकिन इसके बनते ही कुकी और मैती दोनों समुदायों ने इसकी बैठकों में शामिल होने से इनकार कर दिया। कई तटस्थ और निरपेक्ष लोगों ने भी अपने को इससे अलग कर लिया। सो, इसका काम शुरू ही नहीं हो पाया, जबकि राज्यपाल की अध्यक्षता में इसका गठन हुआ था। सरकार सुरक्षा बलों के सहारे बैठी रही कि वे हालात संभाल लेंगे या इस तरह के आधे अधूरे पहल करती रही और इस बीच हालात हाथ से निकल गए।

अनुराग ठाकुर, अभिनव बिंद्रा ने लॉज़ेन डायमंड लीग में जीत के लिए नीरज चोपड़ा को दी बधाई

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को डायमंड लीग के लुसाने चरण में सीजन की लगातार दूसरी जीत दर्ज करने पर बधाई दी है।

अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया, नीरज धमाकेदार वापसी कर रहे हैं। अपने 5वें प्रयास में 87.66 मीटर के विशाल थ्रो के साथ, नीरज ने एक और डायमंड लीग इवेंट में अपना दबदबा बनाया और लॉज़ेन डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। मांसपेशियों की चोट के बाद ब्लॉकबस्टर वापसी करने और भारत को फिर से गौरवान्वित करने के लिए हमारे टॉप स्कीम एथलीट को अभूतपूर्व प्रयास के लिए बधाई। बधाई हो, चैंपियन!

इस बीच, अभिनव बिंद्रा ने लिखा, लॉज़ेन डायमंड लीग में अविश्वसनीय जीत पर नीरज चोपड़ा को बहुत-बहुत बधाई! आपकी जीत आपके अटूट लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है, खासकर चोट से वापसी के बाद।

पिछले महीने प्रशिक्षण के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण, 25 वर्षीय भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी ने पहले तीन शीर्ष स्पर्धाओं को छोड़ दिया था। लेकिन उन्होंने धमाकेदार वापसी करते हुए यहां पांचवें दौर में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ डायमंड लीग का खिताब जीता।

शुक्रवार देर रात, नीरज ने फाउल से शुरुआत की और फिर 83.52 मीटर और 85.04 मीटर थ्रो किया। चौथे राउंड में उन्होंने एक और फाउल किया हुई और अगले राउंड में उन्होंने 87.66 मीटर का विजयी थ्रो फेंका। उनका छठा और आखिरी थ्रो 84.15 मीटर का था।

जर्मनी के जूलियन वेबर 87.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च 86.13 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इससे पहले, नीरज ने 5 मई को दोहा में सीजन की शुरुआती डायमंड लीग मीटिंग में 88.67 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल की थी।

जून में जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ के पार, पिछले साल की तुलना में 12प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली । जून में एकत्रित सकल जीएसटी राजस्व 2.80 प्रतिशत बढक़र 1,61,497 करोड़ रुपये हो गया, जबकि मई में यह 1,57,090 करोड़ रुपये था। जून में एकत्रित जीएसटी में से सीजीएसटी 31,013 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 38,292 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 80,292 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र 39,035 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,900 करोड़ रुपये (आयात पर एकत्र 1,028 करोड़ रुपये सहित) था।

सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 36,224 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 30,269 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद जून में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 67,237 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 68,561 करोड़ रुपये था। जून का राजस्व पिछले साल के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है।

जून के दौरान, घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 18 प्रतिशत अधिक है। यह चौथी बार है कि सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

टमाटर के बाद मसालों के दाम बढ़ने से अब तड़के के लिए मुसीबत!

लखनऊ । सब्जियों खासकर टमाटर की बढ़ती कीमतों के बाद अब 'तडक़ा' मुसीबत में है। मसालों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि से रसोई का बजट गड़बड़ाने लगा है। सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला जीरा अब रसोई में सबसे महंगी सामग्रियों में से एक बन गया है।इसकी कीमत अप्रैल में 400 रुपये प्रति किलोग्राम से बढक़र 750 रुपये प्रति किलोग्राम हो चुकी है। खरबूजे के बीज और लौंग जैसे कई अन्य मसालों की कीमतें भी बढ़ गई हैं। खरबूजे के बीज, जिनकी कीमत फिलहाल 750 रुपये किलो है, तीन महीने पहले 300 रुपये प्रति किलो बिक रही थी। इसी तरह, लौंग की कीमत अप्रैल में 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढक़र अब 1,200 रुपये हो गई है। व्यापारी इसके लिए कम पैदावार, चक्रवात बिपरजॉय के कारण खराब परिवहन और अब मानसूनी बारिश को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। हजरतगंज में एक किराने की दुकान के मालिक ने कहा, हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि उन्हें बहुत अधिक कीमत पर खरीद रहे हैं।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने माइल्स बासकोम्बे को नियुक्त किया क्रिकेट का नया निदेशक

सेंट जॉन्स। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने शुक्रवार को तीन साल के अनुबंध पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर माइल्स बासकोम्बे को क्रिकेट के नए निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। एंटीगुआ के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में निदेशक मंडल की बैठक में लिए गए निर्णय में, बासकोम्बे जिमी एडम्स से क्रिकेट निदेशक का पद संभालेंगे, जो पिछले छह वर्षों से इस भूमिका में थे। बासकोम्बे 1 अगस्त से अंतरिम क्रिकेट निदेशक के रूप में अपनी नई भूमिका ग्रहण करेंगे।क्रिकेट निदेशक की भूमिका में बदलाव ऐसे समय में आया है जब वेस्टइंडीज की टीम जिम्बाब्वे में चल रहे क्वालीफायर टूर्नामेंट में संघर्ष कर रही है, जिससे उनका भारत में होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना भी मुश्किल लग रहा है।

बासकोम्बे ने एक बयान में कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट एक महत्वपूर्ण चरण में है और प्रदर्शन में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। हमने एक केंद्रीय उच्च-प्रदर्शन प्रणाली स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है जिसे अब हमारे सभी क्षेत्रों में लागू करने की आवश्यकता है। मैं सीडब्ल्यूआई की वरिष्ठ नेतृत्व टीम के सदस्य के रूप में और प्रादेशिक बोर्डों के साथ मिलकर आवश्यक सुधार लाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हूं, मुझे विश्वास है कि विश्व स्तरीय मानकों को प्राप्त करने के आधार पर एक मजबूत प्रणाली को लागू करने से और अधिक सफलता मिलेगी।

37 वर्षीय बासकोम्बे ने 2011 में वेस्टइंडीज के लिए एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है और 2007 और 2017 के बीच विंडवर्ड द्वीप समूह और संयुक्त परिसरों और कॉलेजों दोनों के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला है। वह बैचलर और मास्टर दोनों डिग्री के साथ वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय से स्नातक हैं और एक प्रमाणित कोच हैं।

ट्विटर का बड़ा एक्शन : नीति उल्लंघन के चलते 11 लाख से अधिक अकाउंट्स भारत में बैन

नई दिल्ली । एलन मस्क द्वारा संचालित ट्विटर ने 26 अप्रैल से 25 मई के बीच भारत में रिकॉर्ड 11,32,228 अकाउंट्स को बैन किया है। ज्यादातर अकाउंट्स चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन और नॉन कंसेंसुअल न्यूडिटी को बढ़ावा देने का काम करते थे।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ने देश में अपने प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,843 अकाउंट्स को भी हटा दिया है। कुल मिलाकर, ट्विटर ने भारत में समीक्षाधीन अवधि में 11,34,071 अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया।ट्विटर ने नए आईटी नियम, 2021 के अनुपालन से जुड़ी अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि उन्हें अपने शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से एक ही समय-सीमा में भारत में उपयोगकर्ताओं से 518 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके अलावा, ट्विटर ने 90 शिकायतों पर कार्रवाई की जो अकाउंट निलंबन के खिलाफ अपील कर रही थीं। भारत से अधिकांश शिकायतें दुर्व्यवहार/उत्पीडऩ (264), घृणित आचरण (84), संवेदनशील व्यस्क सामग्री (67) और मानहानि (51) के बारे में थीं। नए आईटी नियम 2021 के तहत 5 मिलियन से अधिक यूजर्स वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी।

11 भाषाओं में रिलीज होगी हनुमान, सामने आई रिलीज की तारीख

तेलुगु फिल्म हनुमान का टीजर करीब 6 महीने पहले आया था। हनुमान से प्रेरित इस फिल्म की रिलीज तारीख का दर्शक इंतजार कर रहे थे। शनिवार को फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा कर दी है। घोषणा होते ही इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर छा गई। खासकर, बीते दिनों फिल्म आदिपुरुष में हनुमान के चित्रण की आलोचना होने के बाद, इस खबर ने सबका ध्यान खींचा। निर्माताओं ने मुख्य कलाकार तेजा सज्जा के एक पोस्टर के साथ रिलीज डेट बताई।

हनुमान अगले साल मकर सक्रांति के मौके पर दर्शकों के बीच आएगी। यह 12 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी। हनुमान के किरदार और पौराणिक कहानियों से प्रेरित यह एक सुपरहीरो फिल्म है। फिल्म हनुमान नाम के एक काल्पनिक किरदार की कहानी है। इसकी पृष्ठभूमि अंजनाद्री नाम के गांव पर आधारित है। फिल्म 11 भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ निर्देशक प्रशांत वर्मा अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत कर रहे हैं।

फिल्म में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ अमृता अय्यर सक्रीन साझा करती नजर आएंगी। इनके अलावा वारा लक्ष्मी शरत कुमार, राज दीपक शेट्टी, विनय राय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म वीएफएक्स से भरपूर होगी। इसका नमूना 6 महीने पहले आए फिल्म के टीजर में देखने को मिला था।

होल्डर ने कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट में प्रांतीय मानसिकता बदलने की जरूरत

हराने। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने टीम के भारत में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद साथी क्रिकेटरों से अपील की कि वे खेल की बेहतरी के लिए 'प्रांतीय' मानसिकता छोड़ें और 'एक क्षेत्र' के रूप में साथ आएं।

दो बार का विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज 1975 में विश्व कप की शुरुआत के बाद से पहली बार 50 ओवर के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होगा।

शनिवार को यहां विश्व कप क्वालीफायर के सुपर सिक्स मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ सात विकेट की हार के साथ वेस्टइंडीज प्रतियोगिता से बाहर हो गया।

वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 181 रन पर ढेर हो गई जिसके जवाब में स्कॉटलैंड ने छह से अधिक ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

होल्डर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह (क्रिकेट) निजी चीज या प्रांतीय चीज नहीं है। हमें एक क्षेत्र के रूप में एकजुट होना होगा और सोचना होगा कि एक समूह के रूप में हमें कैसे आगे बढऩा है।

होल्डर ने शनिवार को 45 रन बनाने के अलावा एक विकेट चटकाया।

टीम की संचालन संस्था क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) छह संघों का समूह है जिसमें बारबडोस, ग्याना, जमैका, लेवर्ड आइलैंड्स, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और विंडवर्ड आइलैंड्स शामिल हैं।

ऑलराउंडर होल्डर ने कहा कि उनकी टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले की अहमियत पता थी और उनके पास अच्छा मौका था लेकिन वे अंत में जीत दर्ज नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा, हमें पता था कि क्या दांव पर लगा है और हमारे पास क्वालीफाई करने का मौका था। हमारे पास स्कॉटलैंड को हराने का मौका था लेकिन हम ऐसा नहीं कर पाए।

आज का राशिफल

मेष : आज आपको किसी विशेष काम में दूसरे लोगों की मदद भी मिलेगी, साथ ही परिवार के लोग आपके हर फैसले के साथ होंगे, जीवन साथी के साथ भी बेहतर तालमेल बना रहेगा। बिजनेस में रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है।

वृष : आज समाज में आपको उचित आदर-सम्मान मिलेगा। आपके अच्छे व्यवहार से आसपास के लोग खुश रहेंगे। साथ ही आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जायेगा।

मिथुन : आज परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते है। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। अचानक से कोई मददगार आपका अच्छा दोस्त बन सकता है। आर्थिक रूप से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। आपके काम में नयापन आयेगा।

कर्क : आज आपको थोड़ी मेहनत से ही बड़ा मुनाफा होगा। आप जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनेंगे। आप दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ेगी। बच्चे दोस्तों के साथ किसी पिकनिक पर जा सकते हैं। आपको करियर से जुड़ा कोई सुनहरा मौका मिलेगा।

सिंह : आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, जिससे आपको आनंद की अनुभूति होगी। आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आप किसी पारिवारिक विषय पर अपने घर के बड़ों से बात कर सकते हैं।

कन्या : आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। कार्यालय में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसमें आप अपनी मेहनत से सफल होंगे। परिवार से जुड़े किसी काम के लिए थोड़ी भागदौड़ हो सकती है।

तुला : आज आपकी सारी मनोकामना पूरी होगी। कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात दिन को और बेहतर बना देगी। जीवन में तरक्की के नये रास्ते भी खुलेंगे। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी।

वृश्चिक : आज आपको बिजनेस के क्षेत्र में कुछ नए लोगों से मदद मिलेगी। आपका सामाजिक जीवन भी आज हर तरह से बेहतर बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको काम के लिए वाहवाही मिलेगी।

धनु : आज कुछ कामों में आपको अधिक समय लग सकता है, लेकिन काम में सफलता जरूर मिलेगी। किसी की राय आपके लिये कारगर साबित हो सकती है। दूसरों के सामने अपनी बात रखने की पूरी कोशिश करेंगे।

मकर : नौकरी कर रहे लोगों को आज नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। आगे चलकर ये प्रोजेक्ट आपको फायदा दिलायेगा। इस राशि के विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिये बेहद लाभदायक रहेगा। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। आपके आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी। आपको तरक्की के कुछ नये साधन मिलेंगे।

मीन : आज आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात हो सकती है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। बचपन के किसी दोस्त से सम्पर्क हो सकता सकता है।

पलकों को लंबा और घना बनाने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

मस्कारे का उपयोग पलकों को लंबा और घना दिखाने में मदद कर सकता है, लेकिन यह अस्थायी तरीका है और इस उत्पाद में मौजूद रसायन पलकों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसे में आप मस्कारे जैसे उत्पादों की जगह घरेलू नुस्खों की मदद से अपनी पलकों को जल्द ही प्राकृतिक तरीके से लंबा और घना कर सकते हैं।

नींबू के तेल का करें उपयोग- नींबू का तेल पलकों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए 1-2 नींबू के छिलकों को एक छोटे जार में रखें और इसमें थोड़ा जैतून या नारियल का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को रातभर के लिए छोड़ दें। अब इस मिश्रण में एक रूई डुबोकर इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर आंखों को धो लें। आप ऐसा रोजाना 1-2 बार कर सकते हैं।

नारियल का तेल आएगा काम- आवश्यक विटामिन और खनिजों से भरपूर नारियल का तेल पलकों को तेजी से बढ़ाने के लिए एक बढिय़ा विकल्प है। यह पलकों को पतला होने और झडऩे से रोकने में भी सहायक है। लाभ के लिए रूई से अपनी पलकों पर नारियल का तेल लगाएं और 3 से 4 घंटे के बाद अपनी आंखों को पानी से साफ करें। अच्छे परिणामों के लिए इसका उपयोग प्रतिदिन करें।

शिया बटर है प्रभावी- शिया बटर में भरपूर मात्रा में विटामिन- ए और विटामिन- ई होता है, जो पलकों की देखभाल के साथ-साथ उनको खूबसूरत बनाने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपनी उंगुलियों पर थोड़ा-सा शिया बटर लेकर अच्छी तरह रगडक़र पिघला लें, फिर इसे अपनी पलकों पर लगाएं। इसे रातभर पलकों पर लगाकर छोड़ दें और सुबह पानी से चेहरा धो लें। बेहतर परिणाम के लिए नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें।

जैतून का तेल करेगा मदद- जैतून के तेल में ओलेयूरोपिन नामक एक फेनोलिक यौगिक होता है, जो कई अध्ययनों में बालों के विकास में प्रभावी पाया गया हैं। यह पलकों को लंबा करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए रूई पर जैतून के तेल की कुछ बूंदें डालें और इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। अब लैश ब्रश का उपयोग करके अपनी पलकों की धीरे-धीरे मालिश करें, फिर 5-10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

शब्द सामर्थ्य- 113

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

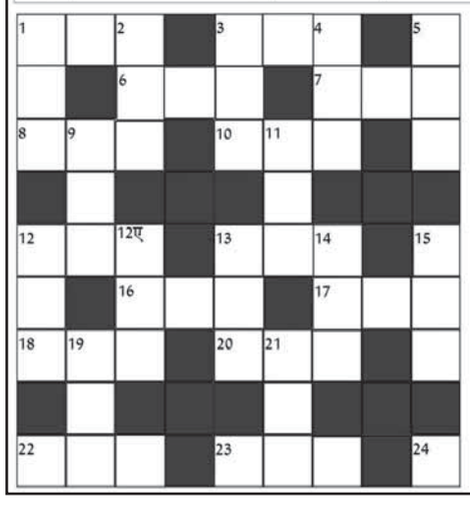

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 112 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■	
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म	
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल	
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य	
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■	
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ	
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स	
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त	
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न	

सू-दोकू- 113

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.112 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6